RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

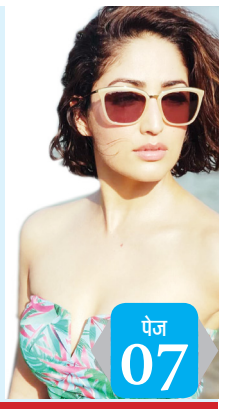

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुईं यामी गौतम कहा- सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 180 | THURSDAY DATE 23-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

कौन से दबे राज छिपा रहे हैं शिक्षा मंत्री, आखिर किस दबाव में उन्हें नहीं हटा पा रही सरकारः अखिलेश यादव

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने बुधवार को लोकसभा में काले कपड़े पहनकर सरकार का विरोध किया और कहा कि सरकार छात्रों की बात नहीं सुन रही है, जिस तरह से छात्रों के साथ किया जा रहा है वह देश के लिए सही नहीं है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह सोचना चाहिए कि सरकार अपने मंत्री को क्यों नहीं हटा पा रही है। सरकार पर किसी तरह का दबाव हो सकता है और सवाल किया कि क्या मंत्री के पास सरकार से जुड़े कुछ ऐसे रहस्य हैं, जिनकी वजह से उन्हें हटाया नहीं जा रहा। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार डरी हुई है। सपा सांसद डिंपल यादव ने जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि छात्रों ने साहस दिखाकर अपनी आवाज उठाई, लेकिन जिस तरह पुलिस ने उनके साथ कार्रवाई की, वह चिंताजनक है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन का हुआ राजनीतिकरण, विपक्ष ने छात्रों का किया इस्तेमाल : बांसुरी स्वराज

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई**

भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वराज ने बुधवार का भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में जंतर-मंतर पर युवाओं के विरोध प्रदर्शन और नीट पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों पर बात की। उन्होंने जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन को विपक्ष की साजिश बताया। बांसुरी स्वाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे नेता हैं, जो इस देश के युवा को राष्ट्र का निमार्ता मानते हैं। युवाओं के नेतृत्व में विकास का मूलमंत्र उन्होंने विकसित भारत की नींव को सुदृढ़ करने के लिए रखा है। इसका अर्थ है युवाओं के नेतृत्व में राष्ट्र का सशक्तिकरण। प्रधानमंत्री और मोदी सरकार विद्यार्थियों के हितों सर्वोपरि मानती है। हमारे लिए सबसे पहली प्राथमिकता है कि बच्चों के भविष्य की रक्षा हो। सांसद ने कहा, 'मैं यह साफ कर देना चाहती हूं कि पीएम मोदी और केंद्र सरकार छात्रों के हितों को प्राथमिकता देती है। जब 11 मई को यह पता चला कि पेपर लीक हो गया है, तो मोदी सरकार ने तुरंत कार्रवाई की। शिक्षा मंत्रालय ने एफआईआर दर्ज कराई और जांच सीबीआई को सौंप दी। 13 आरोपी अभी भी जेल में हैं।' बांसुरी स्वराज ने कहा कि नीट की पुनर्परीक्षा महज 37 दिनों में संपन्न हुई और परिणाम मात्र 25 दिनों में घोषित कर दिए गए। कमियों को दूर करने के लिए प्रौद्योगिकी का भरपूर उपयोग किया गया। परीक्षा उत्तीर्ण करने वालों में 58 प्रतिशत महिलाएं हैं। मोदी सरकार ने बहुत ही जिम्मेदाराना रवैया निभाते हुए कोर्ट से ये भी प्रार्थना की है कि इसका ट्रायल दैनिक के आधार पर पर हो और आरोपियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा हो, ताकि छात्रों को न्याय मिल पाए। सांसद ने कहा कि यह झूठा आरोप लगाया जा रहा है कि पूरी शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो रही है।

संक्षिप्त ताजा खबरें

खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा लगातार चौथे दिन भी स्थगित रही

श्रीनगर, यूटर्न/ 22 जुलाई । खराब मौसम के कारण बुधवार को लगातार चौथे दिन अमरनाथ यात्रा स्थगित रही और बालटाल तथा नुनवान (पहलगाम) के ट्रांजिट कैंपों और बेस कैंपों में ठहरे सभी श्रद्धालु सुरक्षित रहे। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं के कारण अमरनाथ जी यात्रा, माता वैष्णो देवी यात्रा, शिव खोड़ी यात्रा और मचैल माता यात्रा लगातार चौथे दिन भी बंद रहीं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा खराब मौसम की चेतावनी को देखते हुए केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने शनिवार शाम को जम्मू-कश्मीर में सभी यात्राएं रोक दी थीं।

जंतर-मंतर घटनाः दोषी पुलिस अधिकारियों को नौकरी से निकाले सरकार : आप

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । आम आदमी पार्टी (आप) ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ कथित अभद्रता और प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग के मामले में केंद्र सरकार तथा दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मांग की कि महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता करने वाले पुलिस अधिकारियों को तत्काल नौकरी से निकाला जाने की बुधवार को मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारियों की पहचान हो जाने के बावजूद अब तक न तो कोई प्राथमिकी दर्ज हुई है और न ही किसी को निलंबित किया गया है। उन्होंने ह्यएक्सह्ल पर जारी बयान में कहा कि महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है।

लोगों को तेज एवं पारदर्शी तरीके के सेवाएं मुहैया कराना लक्ष्य : रेखा गुप्ता

सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम की 84 सेवाओं का घटाया समय, कुछ सेवाएं जोड़ने की तैयारी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।**

रेखा गुप्ता की सरकार ने दिल्ली के लोगों को सिंगल विंडो सिस्टम के तहत मिल रहीं 84 की समय सीमा कम कर दी है । इसके साथ ही कुछ न ई सेवाओं को भी जोड़ने की तैयारी सरकार ने की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि उनकी सरकार का लक्ष्य लोगों और कारोबारियों को तेज और पारदर्शी व्यवस्था में सेवाएं मुहैया कराना है ।

इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देश पर सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने डिरेगुलेशन एक्सरसाइज फेज- 2 के तहत प्राथमिकता क्षेत्र-21 पर विस्तार से अध्ययन किया । अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना था कि सिंगल विंडो सिस्टम के तहत मिलने वाली सेवाओं में आवेदन से लेकर काम होने तक कितना समय लगता है और इसे किस तरह कम किया जा सकता है ।

मुख्यमंत्री ने बताया अध्ययन बैठक में 18 विभागों के अधिकारी शामिल हुए । सिंगल विंडो सिस्टम एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां नागरिक और व्यावसाय विभिन्न लाइसेंस, परमिट, अनुमोदन और क्लीयरेंस के लिए एक जगह ही आवेदन कर सकते हैं और उन्हें प्राप्त कर सकते हैं । अध्ययन के बाद व्यवस्था में सुधार करते हुए 84 सेवाओं में आवेदन के निस्तारण का समय कम कर दिया गया है ॥ इसके साथ ही कुछ सेवाएं अब तत्काल मुहैया कराई जा रही हैं । मुख्यमंत्री ने बताया इस पहल्ल का उद्देश्य दिल्ली में कारोबार को आसान बनाने, सरकारी सेवाओं को पारदर्शी और प्रभावी बनाना, तथा नागरिकों और व्यवसायों के लिए सरकारी प्रक्रिया को सरल बनाना है । उन्होंने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी विभाग डिजिटल तकनीक और बेहतर कार्य प्रणाली के माध्यम से लोगों तक तेज , आसान और नागरिक केंद्रित सरकारी सेवाएं पहुँचाने के लिए लगातार काम कर रहा है ।

दिल्ली मेट्रो ने 16 स्टेशनों को बंद किया; राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट पर इंटरचेंज की सुविधा जारी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । सुरक्षा कारणों से बुधवार को दिल्ली मेट्रो के 16 स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया। हालांकि, राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा जारी रहेगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ल पर बताया कि अगले आदेश तक लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरियट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन बंद रहेंगे। इससे पहले रविवार को भी सुरक्षा कारणों से जनपथ, राजीव चौक, पटेल चौक, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद किया गया था।

ट्रेंडिंग न्यूज

प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शन करने को लेकर देश से माफी मांगे कांग्रेसः मल्होत्रा

दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास के बाहर प्रदर्शन की घटना की निंदा करते हुए कांग्रेस पर लोकतांत्रिक मयार्दाओं का अपमान करने का आरोप लगाया है और देश से माफी मांगने की मांग की है। श्री मल्होत्रा ने बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कांग्रेस द्वारा कल श्री मोदी के सरकारी आवास पर किया गया प्रदर्शन अत्यंत निंदनीय, दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का अपमान और उल्लंघन है।

राज्यसभा में बोले जेपी नड्डा, संसद की मयार्दाओं को किया जा रहा है तार-तार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि सदन में किया जा रहा व्यवहार बेहद गैरजिम्मेदाराना और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि संसद की मयार्दाओं को तार-तार किया जा रहा है और लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लंघन हो रहा है। गौरतलब है कि कांग्रेस समेत विपक्षी सांसद नीट परीक्षा व पेपर लीक के मुद्दे पर तुरंत चर्चा व केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। दरअसल सरकार ने बुधवार को राज्यसभा में जानकारी देते हुए कहा कि सरकार मानसून सत्र के पहले दिन से ही नीट परीक्षा और कथित प्रश्नपत्र लीक मामले पर चर्चा के लिए तैयार है।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, छात्रों के विरोध प्रदर्शन और शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा प्रणाली गंभीर संकट से गुजर रही है और छात्रों की आवाज सुनने के बजाय उनके खिलाफ बल प्रयोग किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि छात्रों का आखिर कसूर क्या है। उनके अनुसार, छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रख रहे हैं और केवल एक निष्पक्ष एवं भरोसेमंद शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं।

सदन में निष्पक्ष चर्चा तभी संभव है जब शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें: खड़गे

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । विपक्ष ने बुधवार को संसद में स्पष्ट तौर पर कहा कि है सदन में निष्पक्ष चर्चा तभी संभव है जब कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा दें। राज्यसभा में बोलते हुए नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की माँग की। उन्होंने स्पष्ट किया की यहां निष्पक्ष व सार्थक चर्चा तभी हो सकती है जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री अपना इस्तीफा दे दें। उन्होंने कहा की सरकार को शिक्षा मंत्री का राजीनामा लेना चाहिए। खड़गे, सरकार द्वारा सदन में नीट संबंधी विषय पर चर्चा कराए जाने की बात का जवाब दे रहे थे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीट परीक्षा और उससे जुड़े विवादों पर तुरंत चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी व विपक्ष के अन्य सांसद नियम 267 के तहत सदन में इस विषय पर चर्चा करना चाहते हैं।

सोनम वांगचुक अनशन खत्म करने के लिए तैयार, सरकार के सामने रखी शर्त

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा पेपर लीक मामलों में जवाबदेही और छात्रों के हितों को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने केंद्र सरकार से आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का स्पष्ट लिखित आश्वासन मांगा है। उन्होंने कहा कि ऐसा आश्वासन मिलने पर ही वह अनशन समाप्त करने पर विचार करेंगे।

सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ल पर एक खुला पत्र साझा किया, जिसे उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी. नड्डा और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के नाम संबोधित किया गया है। उन्होंने पत्र में बताया कि दोनों मंत्री मंगलवार रात अस्पताल में उनसे मिलने पहुंचे थे और उन्होंने अनशन समाप्त करने का आग्रह किया था। वांगचुक ने लिखा कि मुलाकात के दौरान मंत्रियों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। इनमें परीक्षा पेपर लीक की घटनाओं के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर संसद में सार्थक चर्चा सुनिश्चित करने जैसी मांगें शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि चर्चा के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर भी विचार किए जाने की बात सामने

आई। अपने पत्र में वांगचुक ने 20 जुलाई को आयोजित ह्यचलो संसदह्ल मार्च का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की कथित सख्ती और बल प्रयोग के बावजूद यह मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। देश और दुनिया ने देखा कि युवाओं ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखी और संयम का परिचय दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले छात्रों और युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। वांगचुक ने बताया कि केंद्रीय मंत्रियों की मुलाकात के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के करीब 65 सांसदों ने उन्हें पत्र लिखकर अनशन समाप्त करने की अपील की है। कुछ सांसद व्यक्तिगत रूप से उनसे मिलने भी पहुंचे हैं, जबकि अन्य के मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सभी सांसदों ने उन्हें याद दिलाया कि देश और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अभी बाकी है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह केवल व्यक्तिगत आग्रहों के आधार पर अनशन समाप्त नहीं कर सकते। उन्होंने लिखा, 'मैं जीना चाहता हूं। मैं अपने छात्रों और शिक्षा के क्षेत्र में लौटना चाहता हूं, लेकिन जिन युवाओं के लिए यह आंदोलन शुरू हुआ, उनके हितों की अनदेखी करके ऐसा नहीं कर सकता।' सोनम वांगचुक ने सरकार से आग्रह किया कि आंदोलन में शामिल किसी भी युवा प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई दंडात्मक या बदले की भावना से कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, इसका स्पष्ट आश्वासन दिया जाए। इन युवाओं का एकमात्र उद्देश्य एक निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग करना है।

आयुष्मान भारत लाखों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को बदल रहा है: उपराष्ट्रपति

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को कुशल, करुणामय और सेवाभावी कार्यबल के माध्यम से भारत के स्वास्थ्य सेवा तंत्र को मजबूत करने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा एक स्वस्थ और विकसित राष्ट्र के दो स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में देश की यात्रा के लिए स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार, निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने और समर्पित स्वास्थ्य पेशेवरों को तैयार करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता होगी। कोयंबटूर में जीकेएनएम ग्रुप कॉलेज ऑफ नर्सिंग का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने इस संस्थान को जीकेएनएम ग्रुप द्वारा प्रदत्त सार्वजनिक सेवा की लंबी परंपरा में एक और मील का पत्थर बताया। उन्होंने जी. कुप्पुस्वामी नायडू चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पिछले कई दशकों में स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि 1952 में स्थापित इसका 50 बिस्तरों वाला अस्पताल आज 750 बिस्तरों वाले बहु-विशेषज्ञता संस्थान में विकसित हो गया है और साथ ही साथ स्कूलों से लेकर उच्च शिक्षा तक अपने शैक्षिक प्रयासों का विस्तार कर रहा है। नर्सिंग पेशे के महत्व पर जोर देते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि नर्सें केवल देखभाल करने वाली नहीं होतीं, बल्कि इससे कहीं बढ़कर होती हैं। उन्होंने कहा कि वे मरीजों को सुरक्षित, संरक्षित और देखभाल का एहसास कराती हैं। दवाओं के साथ-साथ उनकी करुणा और चिंता उपचार में अपरिहार्य भूमिका निभाती हैं। उन्होंने इस पेशे में आने वाले छात्रों से आग्रह किया कि वे आत्मविश्वास, करुणा, समर्पण और साहस के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करें और हमेशा अपने पेशे की गरिमा को बनाए रखें।

कांवड़ यात्रा 2026: एडीजी अग्निशमन ने तैयारी की समीक्षा की, शिविरों एवं बहुमंजिला इमारतों में फायर सेफ्टी के कड़े निर्देश

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को अपर पुलिस महानिदेशक (अग्निशमन एवं आपात सेवा) पद्मजा चौहान ने गाजियाबाद के फायर स्टेशन वैशाली पहुंचकर कांवड़ यात्रा से संबंधित तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर, बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर, बदायूं और अमरोहा सहित विभिन्न जनपदों के मुख्य अग्निशमन अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान एडीजी पद्मजा चौहान ने सभी अधिकारियों से कांवड़ यात्रा मार्गों पर की जा रही अग्नि सुरक्षा तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर लगाए जाने वाले कांवड़ शिविरों में अग्नि सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शिविर

संचालकों और आयोजकों को आग से बचाव, गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग, विद्युत उपकरणों के संचालन और आपातकालीन स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों की पूरी जानकारी दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा के दौरान किसी भी संभावित अग्निकांड या आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की टीमें पूरी तरह सतर्क रहें और संवेदनशील स्थानों पर आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा सभी जिलों में आपसी समन्वय बनाकर त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था को और मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर फायर स्टेशन वैशाली में अग्निशमन कर्मियों के शारीरिक प्रशिक्षण और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्मित व्यायामशाला (जिम) का भी लोकार्पण किया गया। वहीं, कविनगर स्वदेशी कंपाउंड इंडस्ट्री द्वारा अग्निशमन विभाग को उपलब्ध कराया गया एक वाटर बाउजर भी एडीजी ने हरी झंडी दिखाकर विभाग को समर्पित किया।

राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस पर देसी घी की मिठाई खिलाकर मनाया गया उत्सव

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 22 जुलाई । राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस के अवसर पर थानेसर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राम मेहर शर्मा आचार्य ने कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित नागरिकों को देसी घी की मिठाई खिलाकर बधाई दी और सभी को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं गौरव को बनाए रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर राम मेहर शर्मा आचार्य ने कहा कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया था। तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, बलिदान और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है कि वह तिरंगे का सम्मान करे और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखे।

जंतर-मंतर घटना: दोषी पुलिस अधिकारियों को नौकरी से निकाले सरकार : आप

» नयी दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

आम आदमी पार्टी (आप) ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ कथित अभद्रता और प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग के मामले में केंद्र सरकार तथा दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मांग की कि महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता करने वाले पुलिस अधिकारियों को तत्काल नौकरी से निकाला जाने की बुधवार को मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारियों की पहचान हो जाने के बावजूद अब तक न तो कोई प्राथमिकी दर्ज हुई है और न ही किसी को निलंबित किया गया है। उन्होंने ह्यएक्सह्ल पर जारी बयान में कहा कि महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर मौजूद कई वीडियो में डीसीपी स्तर तक के अधिकारियों की पहचान की जा सकती है और उनके नाम भी सामने आ चुके हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने दिल्ली पुलिस आयुक्त से इस मामले में जवाब देने की मांग भी की। उन्होंने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ गंभीर बदसलूकी की गयी, युवाओं के साथ मारपीट की गयी और पुलिस के साथ सिविल ड्रेस में मौजूद लोगों ने कीलों लगे डंडों से प्रदर्शनकारियों पर हमला किया। इस पूरे घटनाक्रम पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। आप नेता ने कहा कि यदि केंद्र सरकार वास्तव में युवाओं की बात सुनना चाहती है, तो उसे दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सेवा से बर्खास्त करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकार कार्रवाई नहीं करती है, तो इससे यह संदेश जायेगा कि पुलिस की कथित बर्बरता को शीर्ष स्तर पर संरक्षण प्राप्त है।

प्रेरणा वृद्धाश्रम में सात समुद्र पार बर्लिन से बुर्जुगोंका आशीर्वाद लेने पहुंची दिव्या सैनी

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 22 जुलाई । धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के प्रेरणा वृद्धाश्रम की ख्याति विदेश में भी हो रही है। इसी लिए दूसरे देशों से नियमित लोग आते रहते हैं। इसी क्रम में सात समुद्र पार बर्लिन से प्रेरणा वृद्धाश्रम में दिव्या सैनी बुर्जुगोंसे आशीर्वाद लेने के लिए पहुंची। प्रेरणा वृद्धाश्रम के संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला ने बताया कि प्रेरणा वृद्धाश्रम की ख्याति सुनकर बुर्जुगोंसे आशीर्वाद लेने के लिए दिव्या सैनी नाम की यह लड़की जर्मनी से प्रेरणा वृद्धाश्रम में पहुंची। यह लड़की बुर्जुगोंसे मिलकर और उनके दुख दर्द जानकर भावुक हो गई। उसने कहा कि हमारा देश तो समृद्ध परंपराओं, संस्कार और उच्च संस्कृति से ओतप्रोत देश है, फिर हमारे देश में ऐसे संस्कार कहां से आ गए। विदेश की बात तो अलग है वहां तो कोई किसी से लगाव नहीं रखता।

बालघर विद्यालय का भवन निर्माण कार्य आधुनिक तकनीक एवं मेहनत के संगम से प्रगति पर : जीवन मौदगिल

प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 22 जुलाई । श्रीमद् भगवद गीता प्राथमिक विद्यालय बालघर में नन्हे बच्चों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नए भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। भवन निर्माण के लिए विद्यालय द्वारा स्वयं खरीदकर आधुनिक मशीनों का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्य को गति मिल रही है और समय की बचत हो रही है। प्रबंधन कमेटी के जीवन मौदगिल ने बताया कि निर्माण स्थल पर मशीनों की सहायता से नींव, दीवारों तथा अन्य निर्माण कार्यों को व्यवस्थित और तेजी से पूरा किया जा रहा है।

विद्यालय भवन का निर्माण कार्य निर्धारित

योजना के अनुसार प्रगति पर है। आधुनिक तकनीक और मशीनों के प्रयोग से भवन का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि नया भवन बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक वातावरण, पर्याप्त कक्षाओं और आवश्यक सुविधाओं के साथ तैयार किया जा रहा है। प्रबंधन समिति के अथक प्रयासों द्वारा निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एक मजबूत विद्यालय भवन बेहतर शिक्षा और उज्जवल भविष्य की आधारशिला है।

व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष राजेश ठकराल का हिसार में भव्य स्वागत, बोले-जनसेवा ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता

सेक्टर-14 स्थित राजेश होटल में सम्मान समारोह आयोजित, व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने किया अभिनंदन

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 22 जुलाई । हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष राजेश ठकराल का हिसार के सेक्टर-14 स्थित राजेश होटल में स्थानीय व्यापारियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों द्वारा भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। समारोह में फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया तथा जलपान का आयोजन भी किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी, समाजसेवी एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में राजेश ठकराल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसेवा ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग और आमजन की समस्याओं का समाधान करवाने के लिए वे सदैव तत्पर रहे हैं और भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनका उद्देश्य है तथा सरकार जनहित और विकास के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि व्यापारियों और आम नागरिकों के हितों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। समारोह को संबोधित करते हुए हांसी के उपमंडल अधिकारी राजेश खोथ ने कहा कि राजेश ठकराल का सरल, मिलनसार एवं सेवाभावी व्यक्तित्व उन्हें समाज के हर वर्ग से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपना व्यापारी वर्ग और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

उन्हें विश्वास है कि राजेश ठकराल अपने अनुभव और कार्यशैली से इस जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे। एसजी एस्टेट के प्रवीण सिंगल ने कहा कि राजेश ठकराल व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों की समस्याओं और उनकी पीड़ा को भी भली-भांति समझते हैं।

भारत- अमेरिका कृषि व्यापार समझोते रद्द करवाने की मांग को लेकर पुतला फूंका

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 22 जुलाई । संयुक्त किसान मोर्चा (रडट) के राष्ट्रीय आहवान पर भाजपा नेतृत्व वाली मोदी सरकार द्वारा अमेरिका के साथ की जा रही कृषि व्यापार डील के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए अंसध रोड पानीपत किसान भवन के सामने अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान यूनियन, सीटू, झटक के कार्यकर्ताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और देश के प्रधानमंत्री मोदी का पुतला दहन किया।

*विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व संयुक्त किसान मोर्चा के जिला सह संयोजक मजदूर संगठन सीटू के राज्य सचिव सुनील दत्त, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक, सचिन राजपाल, भारतीय किसान यूनियन के जिला उप प्रधान अनिल कादयान, युवा उफप्रधान सुरेंद्र मलिक, पूर्व प्रधान सुखबीर सिंह आटा, हरियाणा किसान सभा के नेता राम रतन सैनी एडवोकेट, एटक जिला प्रधान पवन सैनी एडवोकेट, खेत मजदूर यूनियन के नेता भूपेंद्र सिंह कश्यप, सीटू मजदूर संगठन के जिला सहसंयोजक

जय भगवान, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला कोषाध्यक्ष कंवर सिंह छोकर, उप प्रधान दिलावर सिंह राठी, शहर सचिव एस ए खान, गुलाब सिंह, मुनव्वर राणा, राम रूप सैनी, रामकिशन कुंडू, कर्मवीर काबड़ी ने किया।

*संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व ने प्रदर्शन संबोधित करते हुए कहा कि हम देश के किसान भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा भारत अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने तथा यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम और न्यूजीलैंड के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौता को लेकर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करती है और आक्रोश व्यक्त करते हुए इन मुक्त व्यापार समझौता को रद्द करने की मांग करते हैं। यह कृषि समझौते देश के किसानों और कृषि क्षेत्र को बर्बाद करने वाले हैं। विदेशों से सस्ती खाद्य सामग्री आने से देश के बाजार भर जाएंगे जिसके चलते कृषि आधारित देश के सूक्ष्म व छोटे उद्योग धंधे भी पूरी तरह चौपट हो जाएंगे। जिसके देश की अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेंगे। राष्ट्रीय हित के साथ यह विश्वास घात है। अमेरिका में केवल 18 लाख 80हजार किसान है जबकि भारत में 14 करोड़ 65 लाख किसान है। अमेरिका कृषि क्षेत्र पर केवल दो प्रतिशत की निर्भरता है और भारत की 65% आबादी कृषि पर निर्भर है। अमेरिका प्रति व्यक्ति 21 लाख 56000 सब्सिडी देता है और भारत केवल 34000 हजार रुपए सब्सिडी देता है। यह समझौता छोटे किसानों को बर्बाद कर देगा। पशुपालक ,दूध उत्पादक किसान-खेत मजदूर भी पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे। इसलिए इसका विरोध जरूरी है सरकार इन समझौता को रद्द करें।

किसान- मजदूर-कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ 29 जुलाई को दिल्ली तालकटोरा स्टेडियम में राष्ट्रीय कन्वेंशन होने जा रही है। जिसमें मोदी व संघ परिवार सरकार की देशद्रोही नीतियों के खिलाफ 10 अगस्त को जेल भरो और अक्टूबर में संसद मार्च का ऐलान किया जाएगा। इन संघर्षों के अंदर देश के करोड़ों किसान मजदूर कर्मचारी आम मेहनतकश जनता सरकार के विरोध में सड़कों पर उतरेगी।

ई-रिक्शा की बैटरी के दुरुपयोग पर सरकार सख्त, तैयार किया साइबर सुरक्षा की मजबूती का ढांचा

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

सरकार ने ई-रिक्शा बैटरी के अनधिकृत रिमोट कंट्रोल के लिए इन एप्लिकेशन के दुरुपयोग की रिपोर्टों का संज्ञान लिया है। इस क्रम में सरकार ने कुछ बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम मोबाइल एप्लिकेशन को ऐप स्टोर से हटाने का आदेश दिया है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में बताया कि सरकार ने डिजिटल इकोसिस्टम में साइबर सुरक्षा और डिजिटल लचीलेपन को मजबूत करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी एकीकृत और समन्वित ढांचा तैयार किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि एकीकृत ढांचे में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के तहत राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक शामिल है।

कुरुक्षेत्र में डी प्लान योजना के तहत 15 करोड़ 22 लाख 5 हजार रुपए से करवाए जाएंगे विकास कार्य : कृष्ण लाल पंवार

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र /22 जुलाई। हरियाणा के विकास एवं पंचायत विभाग मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि जिला कुरुक्षेत्र में डी प्लान योजना के तहत 15 करोड़ 22 लाख 5 हजार रुपए से विकास कार्य करवाए जाएंगे। इस डी प्लान के तहत आने वाले बजट से पहले बीच में रुके कार्यों को पूरा किया जाए, ताकि नागरिक उनका प्रयोग कर सके। इस राशि का प्रयोग संबंधित क्षेत्र और मद के लिए जाना चाहिए। इसके साथ ही एससीएसपी कम्पोनेंट का विशेष ध्यान रखना है और कार्य को करने से पहले उपायुक्त को भेजकर पास करवाना होगा। इस योजना के तहत बजट को समयबद्ध खर्च करते

हुए कार्यों को पूरा करवाया जाए।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत विभाग मंत्री कृष्ण लाल पंवार बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में डी प्लान को लेकर आयोजित जिला विकास एवं निगरानी कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार का उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने स्वागत किया और बैठक के एजेंडे के बारे में बताया।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि 2026-27 वित्त वर्ष के लिए सरकार ने जिला कुरुक्षेत्र के लिए 15 करोड़ 22 लाख 5 हजार रुपए जारी किए हैं, इनमें 9 करोड़ 13 लाख 23 हजार जनरल कम्पोनेंट और 6 करोड़ 8 लाख 82 हजार रुपए एससीएसपी कम्पोनेंट का बजट शामिल हैं। इस बजट में पहले पिछले वित्त वर्ष के 67 लाख 93 हजार रुपए के कार्य किए जाएंगे और बची हुई राशि 14 करोड़ 54 लाख 12 हजार रुपए से नए कार्यों को किया जाएगा। इस राशि को जनसंख्या के आधार पर अलॉट किया जाता है। उन्होंने कहा कि डी प्लान के तहत मिली राशि का स्ट्रीट व ड्रेन पर 30 प्रतिशत, कम्यूनिटी सेंटर, चौपाल और पंचायत घर पर 10 प्रतिशत, स्कूलों व कॉलेजों में शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर पर 10 प्रतिशत, महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी और क्रेच पर 10 प्रतिशत, खेल पर 10 प्रतिशत और अन्य कार्य (हेल्थ, वाटर सप्लाई, सिंचाई, जनस्वास्थ्य, बिजली, ब्रिज और मार्ग, पशुपालन, बागवानी) पर 30 प्रतिशत राशि खर्च की जाएगी।

बेटे की मौत से दुखी पूर्व अध्यक्ष छात्र संघ ने कानपुर में खुद को गोली से उड़ाया

सुनील बाजपेई/कानपुर, यूटर्न/ 22 जुलाई । मौत किसी न किसी बहाने से इंसान को अपने साथ ले जाती है। कुछ ऐसा ही हुआ छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष के साथ, जिन्हें मौत बेटे के गम के बहाने अपने साथ ले गई। उन्होंने कानपुर में खुद को गोली से उड़ा दिया। यह घटना यहां के हनुमंत विहार थाना क्षेत्र अंतर्गत बसंत विहार में हुई। परिवार के अनुसार, आलोक सिंह कल मंगलवार शाम अपने कमरे में गए और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। जानकारी के मुताबिक आज बुधवार सुबह जब देर तक दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा. बिस्तर पर उनका खून से लथपथ शव पड़ा मिला। इस दौरान पुलिस द्वारा कीगई प्रारंभिक जांच में पता चला कि आलोक सिंह ने अपनी लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक से सिर में गोली मारी। फिलहाल कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है ।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस बीच यह भी पता चला है कि ट्रांसपोर्ट व्यवसाई भी रहे आलोक सिंह की पत्नी विनीता पिछले दो वर्षों से दोनों बेटियों के साथ लखनऊ में रह रही थीं।

++++++++++++

हरियाणा महिला आयोग की सदस्य अनुकंपा गर्ग ने जिला जेल पानीपत का किया निरीक्षण

पानीपत, यूटर्न/ 22 जुलाई । हरियाणा महिला आयोग की सदस्य अनुकंपा गर्ग ने बुधवार को जिला जेल, पानीपत का दौरा कर जायजा लिया। इस दौरान जेल अधीक्षक संजीव कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अनुकंपा गर्ग ने महिला वार्ड का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने महिला बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक सुना।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, उकलाना मंडी में एनसीसी नई नामांकन चयन प्रक्रिया संपन्न, 31 विद्यार्थियों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

» हरियाणा, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, उकलाना मंडी में शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, देशभक्ति एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर) नई नामांकन चयन प्रक्रिया का सफल आयोजन किया गया। इस चयन प्रक्रिया में कुल 31 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एनसीसी में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों की पात्रता एवं क्षमता का आकलन करने के लिए लिखित परीक्षा, साक्षात्कार तथा शारीरिक दक्षता परीक्षण आयोजित किए

गए। चयन प्रक्रिया का संचालन हवलदार के. जगन एवं हवलदार सुभाष चंद्र द्वारा किया गया। दोनों अधिकारियों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता, अनुशासन, संवाद कौशल तथा शारीरिक क्षमता का गहन मूल्यांकन किया।

इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. सतीश भारती ने कहा, 'एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्रभक्ति की भावना का विकास करती है। हमें विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी एनसीसी के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।'

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. भुवनेश भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा, 'हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना भी है। एनसीसी विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती है।'

सरकार को कॉकरोच तब दिखे जब वे संसद तक पहुँच गए

संदीप शर्मा

सरकारें हाथी, शेर वगैरह को पहचानने में माहिर होती हैं ये दोनों बड़े खतरे का प्रतीक हैं। उनके पास खुफिया एजेंसियां, ड्रोन, बैरिकेड, वॉटर कैनन और हमलावर सेना को रोकने के लिए काफी पुलिस बल होता है। लेकिन वे कॉकरोच पर ध्यान देने में उतनी माहिर नहीं होतीं। कॉकरोच जनता पार्टी जिसका नाम किसी राजनीतिक संगठन के बजाय कॉलेज के मजाक जैसा लगता था झ को सोशल मीडिया की एक और अजीब चीज मानकर नजरअंदाज कर दिया गया। जाहिर है, कोई गंभीर आंदोलन खुद को कॉकरोच नहीं कहेगा। सत्ता में बैठे लोगों ने मजाक उड़ाया। आखिरकार, लोकतंत्र में कीड़े-मकोड़ों की वजह से किसी की नींद नहीं उड़ती। लेकिन फिर उन कीड़ों की संख्या बढ़ने लगी। सरकार को राजनीतिक कीट-विज्ञान का पहला नियम पता चला: कॉकरोच कभी अकेले नहीं आता। वह अपने रिश्तेदारों, पड़ोसियों और कुचलने की हर कोशिश के बावजूद ज़िंदा रहने की अद्भुत क्षमता के साथ आता है। जब तक दिल्ली ने बैरिकेड लगाए, तब तक यह आंदोलन लोगों की सोच में उन बैरिकेड्स को पार कर चुका था। एक और सबक है। सत्ता अक्सर मजाक को गैर-जरूरी समझ लेती है। राजनीति का इतिहास ऐसे आंदोलनों से भरा पड़ा है जो मजाक के तौर पर शुरू हुए और बाद में सिरदर्द बन गए। हर सत्ता को लगता है कि वह तय कर सकती है कि किस विरोध पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन जनता की सोच अक्सर अलग होती है। विडंबना मजेदार है। जो सरकार अपनी तकनीकी क्षमता, डेटा एनालिटिक्स और निगरानी पर गर्व करती है, उसने शासन के सबसे पुराने सिद्धांत को नजरअंदाज कर दिया: जिन शिकायतों को नजरअंदाज किया जाता है, वे शायद ही कभी गायब होती हैं। वे बस अपना रूप बदल लेती हैं। CJP सफल होती है या खत्म हो जाती है, यह बात लगभग गौण है। उसने पहले ही कुछ बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण हासिल कर लिया है। उसने सरकार को एक ऐसे आंदोलन पर प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर किया है जिसे उसने कभी जवाब देने लायक भी नहीं समझा था। शायद राजनीति में सबसे महंगी गलती विरोधी को बहुत ज्यादा आंकना नहीं है। बल्कि उसका मजाक उड़ाना है। सरकारों के लिए, असली मुसीबत शायद ही कभी कॉकरोच होती है। असली मुसीबत होती है आत्म-संतुष्टि।

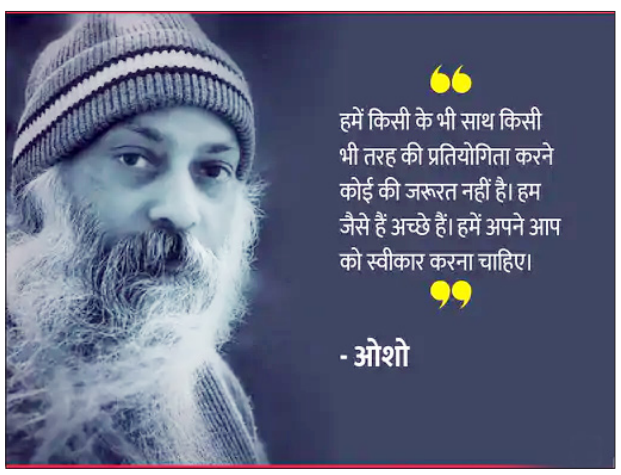

बैरिकेडों के साये में लोकतंत्र

किसान, व्यापार समझौता और भरोसे का संकट

इस बार का आंदोलन केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) या कर्जमाफी तक सीमित नहीं है। इसके केंद्र में भारतझअमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौता है। किसान संगठनों की आशंका है कि यदि कृषि और डेयरी क्षेत्र को पर्याप्त सुरक्षा दिए बिना यह समझौता लागू हुआ, तो सस्ते अमेरिकी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में प्रवेश करेंगे। इससे सबसे बड़ा आघात उन छोटे और सीमांत किसानों को लगेगा, जो पहले ही बढ़ती लागत, जलवायु परिवर्तन और बाजार की अनिश्चितता से जूझ रहे हैं।

कुमार कृष्णन

लोकतंत्र की पहचान केवल चुनावों से नहीं होती; उसकी असली शक्ति संवाद में निहित होती है। चुनाव सत्ता तय करते हैं, लेकिन संवाद समाज को जोड़ता है। जब किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति व्यक्त करने वाले नागरिकों का सामना बातचीत से पहले बैरिकेड, कंक्रीट की दीवारों, पुलिस बंदोबस्त और हिरासत से होने लगे, तब प्रश्न केवल कानून-व्यवस्था का नहीं रह जाता, बल्कि लोकतंत्र की प्रकृति पर खड़ा हो जाता है।

दिल्ली की सीमाओं पर एक बार फिर वही दृश्य दिखाई दिया, जो पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति का स्थायी प्रतीक बन गया है। पंजाब और हरियाणा के किसान भारतझअमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते के विरोध में राजधानी की ओर बढ़े। उनके हाथों में हथियार नहीं थे, बल्कि खेती, बाजार और आजीविका को लेकर गहरी आशंकाएं थीं। लेकिन शंभू बॉर्डर पर उनका स्वागत संवाद से पहले सीमेंट के ब्लॉकों, लोहे के बैरिकेडों और भारी पुलिस बल से हुआ।

इस बार घटनाक्रम केवल प्रतीकात्मक नहीं था। देश बचाओ मोर्चा के आ'ान पर पंजाब के विभिन्न जिलों से हजारों किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, बसों और अन्य वाहनों में सवार होकर किसान घाट पर आयोजित महापंचायत में शामिल होने निकले। फतेहगढ़ साहिब, पटियाला, संगरूर, मानसा और बठिंडा से किसानों के जत्थे शंभू सीमा तक पहुंचे, लेकिन हरियाणा सरकार ने सीमा को लगभग अभेद्य बना दिया। घग्गर नदी के पुलों पर भी कंक्रीट के अवरोध रख दिए गए। कई किसानों को अपने वाहन छोड़कर पैदल आगे बढ़ने का प्रयास करना पड़ा।

किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को राजधानी में अपनी बात रखने से रोक रही है। दूसरी ओर हरियाणा पुलिस का कहना है कि राजधानी की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। कई किसान नेताओं को एहतियातन हिरासत में लिया गया। यहीं से यह घटनाक्रम केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं रह जाता। सवाल यह है कि किसी लोकतंत्र में असहमति का पहला उत्तर संवाद होना चाहिए या बैरिकेड?

सरकार का कहना है कि ये कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाए गए हैं, जबकि किसान संगठनों का आरोप है कि शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकार को सीमित किया जा रहा है। दोनों दावों के बीच भारतीय लोकतंत्र एक कठिन प्रश्न से जूझ रहा है—क्या असहमति अब प्रशासनिक चुनौती बन चुकी है?

इस बार का आंदोलन केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) या कर्जमाफी तक सीमित नहीं है। इसके केंद्र में भारतझअमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौता है। किसान संगठनों की आशंका है कि यदि कृषि और डेयरी क्षेत्र को पर्याप्त सुरक्षा दिए बिना यह समझौता लागू हुआ, तो सस्ते अमेरिकी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में प्रवेश करेंगे। इससे सबसे बड़ा आघात उन छोटे और सीमांत किसानों को लगेगा, जो पहले ही बढ़ती लागत, जलवायु परिवर्तन और बाजार की अनिश्चितता से जूझ रहे हैं। भारत की कृषि को केवल व्यापार की दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। यह करोड़ों लोगों की आजीविका, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। देश के अधिकांश किसान दो-तीन एकड़ भूमि पर खेती करते हैं। दूसरी ओर अमेरिका की कृषि विशाल व्यावसायिक फार्मों, उन्नत तकनीक और व्यापक सरकारी सहायता पर आधारित है। ऐसी असमान परिस्थितियों में खुली प्रतिस्पर्धा को लेकर किसानों की चिंता स्वाभाविक है। हालांकि दूसरी तस्वीर भी है। वैश्विक व्यापार समझौते अवसर भी पैदा करते हैं। नए बाजार, कृषि निर्यात और प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग के विस्तार से किसानों को लाभ भी मिल सकता है। इसलिए मूल प्रश्न व्यापार समझौते का समर्थन या विरोध नहीं, बल्कि उसकी शर्तों की पारदर्शिता और कृषि हितों की सुरक्षा है।

यहीं सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी शुरू होती है। यदि किसानों की आशंकाएं निराधार हैं तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि कृषि और डेयरी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए कौन-से प्रावधान प्रस्तावित हैं। यदि कुछ जोखिम हैं तो उनके समाधान भी सार्वजनिक होने चाहिए। लोकतंत्र में विश्वास गोपनीयता से नहीं, पारदर्शिता से बनता है।

बीते वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति उभरी है। किसी भी बड़े विरोध प्रदर्शन पर सबसे पहले धारा 144 लागू होती है, फिर बैरिकेड लगते हैं, नेताओं को हिरासत में लिया जाता है और उसके बाद संवाद की बात होती है। लोकतंत्र का स्वाभाविक क्रम इसका उलटा होना चाहिए। पहले बातचीत, फिर समाधान का प्रयास और अंत में आवश्यकता पड़ने पर प्रशासनिक उपाय। शंभू बॉर्डर अब केवल पंजाब और हरियाणा की सीमा नहीं रह गया है।

सींखचों में सिसक रहीं हैं अपने सुहाग का खून करने वाली विवाहिताएं

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की बहुत सारी जेलों में अंधी वासना अवैध संबंध के चलते अपना सुहाग को उजाड़ने वाली कुलटाएं अपने कृत्यों के लिए दिनरात त्रासदी भुगत रहीं हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला जेल में ही पिछले कुछ महीनों में सामने आए अवैध रिश्तों के ताने बाने में फंसकर अपने ही हाथों से अपने सुहाग को कत्ल कर जीवन को नरक में धकेलने की की कहानी दबी पड़ी हैं । हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ चौधरी चरण सिंह जिला कारागार की बैरक नंबर 12ए में छह महिलाएं भी बंद हैं, जिन्होंने पराए संबंधों के मोह में अपने ही परिवार के खिलाफ घातक षड्यंत्र रच डाला। पांच जहां पति की हत्या की गुनहगार हैं, छठी ने अपनी कोख से जन्मे बेटे को ही मरवा दिया। यूपी की सबसे पुरानी जेलों में शुमार मेरठ की जिला जेल में फिलहाल 67 महिला बंदी हैं, जिन्हें बैरक 12ए और 12बी में रखा गया है। पति को सांप से डसवाकर मरवाने वाली दामिनी को भी इसी बैरक में मुस्कान, अंजलि, रविता, कोमल और गुरप्रीत के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन के अनुसार दामिनी फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रही है। उसकी काउंसलिंग की तैयारी है।

जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा बताते हैं कि इन महिलाओं को एक ही बैरक में रखने का

उद्देश्य यह है कि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। अधिकांश को अपने किए पर पछतावा है।इन सबके भीतर जेल से बाहर आने की छटपटाहट है लेकिन भविष्य खत्म हो जाने का अहसास भी है।

इन पति हंता महिलाओं से जब परिवार वाले बच्चों के साथ मिलने आते हैं तो उनका भावनात्मक संतुलन टूट जाता है। ऐसे समय में वे एक-दूसरे से कहती भी हैं कि उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी , जो खुद ही अपनी गृहस्थी उजाड़ ली। सुबह सुंदरकांड के पाठ के बाद मुस्कान अपनी बेटी के साथ समय बिताती है, जबकि अंजलि, गुरुप्रीत, रविता और कोमल सिलाई-कढ़ाई में खुद को व्यस्त रखती हैं।

आपको बता दें मुस्कान रस्तोगी का नीला ड्रम कांड हो अथवा रविता और दामिनी..। सभी ने पति के रहते भी दूसरे युवकों से आशिकी का चक्कर चलाया प्यार के चक्कर में अपने पति का काम तमाम कर अपराध की अंधी राह पर जाकर खून से अपने हाथ रंग लिए। संगीता, अंजलि, कोमल और कविता की भी यही कहानी है।पति से भावनात्मक और जिस्मानी पूर्ति के बावजूद ये दूसरे आशिकों के साथ रंगरलियां मनाने की वासना भरी चाहत में ऐसी भटकी कि कुछ महिलाओं ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया तो एक ने बेटे को ही मार दिया। जिन सपनों के लिए उन्होंने यह खतरनाक रास्ता अख्तियार किया, वे टूट चुके हैं। जेल में कोई सिलाई-कढ़ाई सीख रही तो कोई बच्चों को पढ़ा रही है।हर सुबह जेल में बजने वाले सुंदरकांड को सुन कर मन की शांति पाने की कोशिश करती है। जाने-अनजाने उन्होंने यह कदम उठा तो लिया लेकिन सलाखों के पीछे अब सिर्फ दर्द है, पछतावा है और बेबस सिसकियां भी।

आपको पता होगा तीन मार्च 2025 की रात को ब्रह्मपुरी की रहने वाली मुस्कान रस्तागी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। ड्रम के अंदर सीमेंट से शव को जमा दिया था। मुस्कान और साहिल अभी भी जेल की सलाखों के पीछे है। दोनों के मुकदमे में जल्द ही निर्णय भी आने वाला है।

परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवानपुर निवासी 28 वर्षीय राहुल से अंजलि के तीन बेटे हैं। इसके बावजूद अंजलि का दिल पड़ोसी अजय पर आ गया। राहुल खेती बाड़ी व पशुपालन करता था, जबकि अजय आवारा किस्म का था और मौजमस्ती करता था। अजय ही अंजलि को रास्ते में से पिकअप कर लेकर होटल पहुंच जाता था। राहुल इसका विरोध करता था।

डॉलर जुटाने के लिए सरकार की महामुहिम, बैंकों को मिले टारगेट

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा आकर्षित करने के लिए शुरू की गई रियायती स्वैप योजना ने शानदार शुरूआत की है। 17 जुलाई तक इस योजना के तहत 20.72 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, जिसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा यानी (एफसीएनआर-बी) का बड़ा योगदान है।इस गति को बनाए रखने के लिए वित्त मंत्रालय ने अब बैंकों के लिए 30 सितंबर तक एफसीएनआर-बी जमा जुटाने के विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित कर दिए हैं, जो इस योजना की अंतिम तिथि भी है। सरकार का लक्ष्य विभिन्न उपायों से कुल 90 अरब डॉलर जुटाना है, जिसे पूरा करने के लिए बैंकों पर दबाव बढ़ गया है।

लावा अपनी विराट वी 1 सीरीज को भारत में जल्द करेगी लांच

दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । स्मार्टफोन निमार्ता कंपनी लावा अपनी बहुप्रतीक्षित विराट वी 1 सीरीज को जल्द लॉन्च करने जा रही है। ग्राहकों को इस सीरीज में कम बजट में शानदार फीचर्स मिलने वाले हैं। इस सीरीज में लावा विराट वी1 5जी और लावा विराट वी1 4जीमॉडल शामिल होंगे, जिन्हें कम बजट में शानदार फीचर्स के साथ पेश किया जाएगा।

लॉन्च से पहले ही कंपनी ने इन दोनों स्मार्टफोन के कई प्रमुख स्पेसिफिकेशन्स की पुष्टि कर दी है, जिनमें 120एचझेड डिस्प्ले, एआई कैमरा, आईपी64 रेटिंग और दमदार बैटरी शामिल हैं। ये स्मार्टफोन विशेष रूप से फ्लिपकार्ट पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। दोनों स्मार्टफोन में 6.75 इंच का एचडी प्लस डिस्प्ले मिलेगा, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आएगा, जिससे स्क्रॉलिंग और गेमिंग का अनुभव बेहद स्मूथ रहेगा। धूल और हल्के पानी के छींटों से सुरक्षा के लिए इनमें आईपी64 रेटिंग दी गई है। सिक्योरिटी के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर और फेस अनलॉक का सपोर्ट भी मिलेगा। फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए दोनों फोन में 13एमपी का एआई डुअल रियर कैमरा और सेल्फी व वीडियो कॉलिंग के लिए 5एमपी का फ्रंट कैमरा दिया गया है। कंपनी ने वर्चुअल रैम फीचर भी शामिल किया है, जो जरूरत पड़ने पर फोन की रैम को बढ़ाने में मदद करेगा। लावा विराट वी1 5जी में यूनिसोक टी8200 प्रोसेसर, 4जीबी रैम और 64जीबी स्टोरेज मिलेगी, जबकि इसकी सबसे बड़ी खासियत 6000 एमएएच की विशाल बैटरी होगी जो लंबे समय तक साथ निभाने का दावा करती है।

पोको कंपनी पोको एम 8 पावर और पोको एक्स 8 जल्द आएगा बाजार में

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । पोको कंपनी दो नए मॉडल, पोको एम 8 पावर और पोको एक्स 8 लॉन्च करने की तैयारी में है। ये दोनों स्मार्टफोन रेडमी नोट 17 और रेडमी नोट 17 प्रो के रीब्रांडेड वर्जन होंगे, जिसका अर्थ है कि इनमें समान आंतरिक स्पेसिफिकेशन्स होंगे, लेकिन बाहरी डिजाइन और ब्रांडिंग पोको के तहत होगी। जानकारी के मुताबिक, पोको इन दोनों स्मार्टफोन को इसी तिमाही (क्वार्टर) में भारत में लॉन्च कर सकता है, हालांकि कंपनी ने अभी तक आधिकारिक लॉन्च डेट की घोषणा नहीं की है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में इनकी कीमतें चीन के रेडमी मॉडल्स के मुकाबले थोड़ी अधिक हो सकती हैं। पोको एक्स8 में पीछे की तरफ 50एमपी का मुख्य कैमरा और 2एमपी का डेप्थ सेंसर मिल सकता है.

फार्मा शेयरों में बड़ी गिरावट, जेनेरिक दवाओं पर ट्रंप ने 200 प्रतिशत तक के टैरिफ का किया ऐलान

» मुंबई, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

फार्मा शेयरों में बुधवार के कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसकी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ प्लान को माना जा रहा है, जिसके तहत अगस्त 2028 से सभी जेनेरिक दवाओं पर 100 प्रतिशत और अगस्त 2029 से 200 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा।

इससे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का फार्मा कंपनियों का मुख्य सूचकांक निफ्टी फार्मा 2 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया।

सुबह 10:30 बजे तक, ग्लैंड फार्मा (4.62 प्रतिशत), पीरामल फार्मा (3.92 प्रतिशत), ल्यूपिन (3.81 प्रतिशत), जेबी केमिकल्स (3.87 प्रतिशत), अजंता फार्मा (3.03 प्रतिशत), सिप्ला (1.87 प्रतिशत), मैनकाइंड फार्मा (1.69 प्रतिशत), डॉ.रेड्डी लैब्स (1.49 प्रतिशत), सन फार्मा (1.00 प्रतिशत) और बायोकॉन (1.01 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आयात होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो वर्षों तक कोई टैरिफ नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद एक वर्ष के लिए टैरिफ 100 प्रतिशत कर दिया जाएगा और उसके बाद इसे 200 प्रतिशत तक बढ़ा दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य जेनेरिक दवाओं के उत्पादन को अमेरिका में वापस लाना है। उन्होंने कहा कि कंपनियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर अमेरिका में अपने उत्पादन संयंत्र और उपकरण स्थापित करने का अवसर दिया जाएगा। जो कंपनियां ऐसा नहीं करेंगी, उन्हें बढ़े हुए टैरिफ के रूप में दंड का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पेटेंट, ब्रांडेड और इनोवेटिव दवाओं पर मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और यह पहले की तरह लागू रहेगी। इस नीति का उद्देश्य अमेरिकी नागरिकों के हितों की रक्षा करना और देश में दवा निर्माण को बढ़ावा देना है।

भारतीय शेयर बाजार में भी लाल निशान में कारोबार हो रहा है। खबर लिखे जाने तक सेंसेक्स 658 अंक या 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,811 और निफ्टी 182 अंक या 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,002 पर था।

ई20 पेट्रोल से पुराने वाहनों में माइलेज थोड़ा घट सकता है, लेकिन इंजन को नुकसान का कोई सबूत नहीं: सरकार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि ई20 पेट्रोल (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) के इस्तेमाल से ई10 पेट्रोल के लिए डिजाइन किए गए कुछ पुराने वाहनों में ईंधन दक्षता (माइलेज) में मामूली कमी आ सकती है। हालांकि, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण बड़े पैमाने पर इंजन खराब होने या वाहनों में खराबी आने का कोई सत्यापित (वेरिफाइड) प्रमाण नहीं मिला है।

राज्यसभा में पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि ई10 के लिए डिजाइन किए गए पुराने वाहनों में माइलेज में होने वाली कमी आमतौर पर करीब 3 से 5 प्रतिशत तक ही सीमित रहती है।

उन्होंने कहा कि किसी वाहन का माइलेज केवल पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा पर निर्भर नहीं करता, बल्कि ड्राइविंग की आदत, वाहन का रखरखाव, टायर प्रेशर, व्हील अलाइनमेंट और एयर कंडीशनर (एसी) के उपयोग जैसे कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है।

सुरेश गोपी ने कहा, 'ई10 के लिए डिजाइन किए गए कुछ पुराने वाहनों में ईंधन दक्षता में होने वाली कमी सामान्यतः मामूली (करीब 3-5 प्रतिशत) होती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'कुछ पुराने वाहनों में माइलेज में हल्की गिरावट आ सकती है, लेकिन ई20 पेट्रोल के कई फायदे भी हैं। इसमें अधिक ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर एंटी-नॉक प्रदर्शन, बेहतर दहन क्षमता और अधिक स्मूथ एक्सीलरेशन मिलता है।'

इस बीच, इसी महीने 7 जुलाई को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 पेट्रोल को लेकर उठ रहे सवालों पर आलोचकों को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि यदि 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से किसी वाहन को नुकसान हुआ हो, तो उसका एक भी उदाहरण सामने लाकर दिखाया जाए। साथ ही उन्होंने माइलेज कम होने और अन्य दावों को 'पेड कैंपेन' का हिस्सा बताया था।

ह्यविकसित भारत कॉन्क्लेवह्ल में बोलते हुए नितिन गडकरी ने कहा था, 'ई20 पेट्रोल की वजह से किसी भी कार में खराबी आने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। अगर किसी वाहन में ई20 पेट्रोल से समस्या हुई है, तो उसका सिर्फ एक उदाहरण बता दीजिए।' उन्होंने यह भी कहा था, 'उच्च एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर झूठे नैरेटिव फैलाए जा रहे हैं। ये सब पेड कैंपेन का हिस्सा हैं।'

लगातार तीसरे कारोबारी दिन लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 715 अंक फिसला

» मुंबई, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच बढ़ते कच्चे तेल की कीमतों के चलते हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को लगातार तीसरे सत्र में भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस बीच घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों में करीब 1 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय सेंसेक्स 715.06 प्रतिशत या 0.92 प्रतिशत गिरकर 76,755.05 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 191.45 अंक या 0.79 प्रतिशत गिरकर 23,996.25 पर आ गया। निफ्टी50 इंडेक्स में इंडिगो, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, एसबीआई, मैक्स हेल्थ और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली, तो वहीं, बजाज-ऑटो, नेस्ले इंडिया, टाटा कंज्यूमर और इटरनल के शेयर सबसे ज्यादा गिरावट के साथ बंद हुए।

बंधन बैंक के लिए उच्च परिचालन लागत बनी चुनौती, शेयर 17 प्रतिशत से अधिक लुढ़का

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

बंधन बैंक का शेयर बुधवार को 17 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। इसकी वजह बैंक की ओर से उच्च परिचालन लागत और कम मार्जिन के चलते वित्त वर्ष 27 के लिए आरओए (रिटर्न-ऑन-एसेट) आउटलुक को कम करना है।

नतीजों के बाद बैंक ने वित्त वर्ष 27 की चौथी तिमाही के लिए आरओए आउटलुक को 40 आधार अंक कम करके 1.2-1.4 प्रतिशत कर दिया, जो कि पहले 1.6-1.8 प्रतिशत था। इसमें 30 आधार अंक का योगदान कम शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) और 10 आधार अंक का योगदान उच्च परिचालन लागत का है। दोपहर 12 बजे, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर बंधन बैंक का शेयर 17.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 172.40 रुपए पर था। इनका इंट्राडे लो 171.56 रुपए रहा है। हालांकि, निजी बैंक के वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे अच्छे रहे थे। बैंक का मुनाफा करीब 35 प्रतिशत बढ़कर 502 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 372 करोड़ रुपए था। इस दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़कर 2,921 करोड़ रुपए हो गई है। वहीं, शुद्ध ब्याज मार्जिन 6.2 प्रतिशत रहा है। एसेट क्वालिटी में भी सुधार देखने को मिला। बैंक का सकल ग्रॉस एनपीए अनुपात पिछली तिमाही के 3.27 प्रतिशत से घटकर 3.15 प्रतिशत हो गया, जबकि नेट एनपीए 0.97 प्रतिशत से घटकर 0.93 प्रतिशत पर आ गया।

आसुस का नया आसुस पीएडी भारत में लांच

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

भारतीय बाजार में आसुस कंपनी ने फिर टैबलेट सेगमेंट में वापसी करते हुए नया आसुस पीएडी लॉन्च किया है। कंपनी ने फिलहाल इस टैबलेट की कीमत का खुलासा नहीं किया है, लेकिन आसुस पीएडी की बिक्री 6 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। इसे फ्लिपकार्ट, आसुस ई-शॉप, आसुस और आरओजी स्टोर्स, रिलायंस डिजिटल और कंपनी के अधिकृत रिटेल स्टोर्स से खरीदा जा सकेगा। यह टैबलेट छात्रों, पेशेवरों और मनोरंजन पसंद करने वाले यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें एक बड़ी ओलेड स्क्रीन, शक्तिशाली प्रोसेसर और लंबी बैटरी लाइफ जैसे कई प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं।

आसुस पीएडी में 12.2 इंच का 2.8के ओलेड डिस्प्ले दिया गया है, जिसका रिफ्रेश रेट 144एचझेड है। स्क्रीन की पीक ब्राइटनेस 2000 निट्स तक जाती है, जिससे तेज धूप में भी कंटेंट आसानी से देखा जा सकता है। टीयूवी सर्टिफिकेशन के साथ, कंपनी का दावा है कि यह डिस्प्ले आंखों पर कम दबाव डालता है। परफॉर्मेंस के लिए इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8300 प्रोसेसर दिया गया है, जो 8जीबी एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 128जीबी या 256जीबी स्टोरेज विकल्पों के साथ आता है। जरूरत पड़ने पर माइक्रोएसडी कार्ड की मदद से स्टोरेज को 1टीबी तक बढ़ाया जा सकता है।

बेहतर ऑडियो अनुभव के लिए डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट वाले चार स्पीकर दिए गए हैं, जबकि कनेक्टिविटी के लिए वायफाय 6ई, ब्लूटूथ 5.3 और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट शामिल हैं।

ऐपल की मैकबुक और आईपैड पर मुफ्त एक्सेसरीज का ऑफर

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

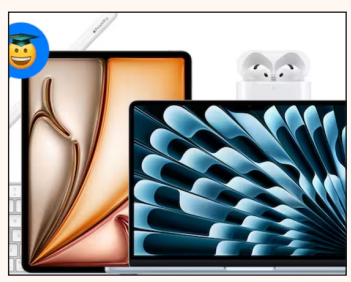

भारत में ऐपल ने अपनी बहुप्रतीक्षित बैक टू स्कूल सेल 2026 शुरू कर दी है। कंपनी इस सेल में छात्रों, शिक्षकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए शानदार डील्स और मुफ्त उपहार लेकर आई है। इस सेल में मैकबुक, आईपैड और मैकबुक नियो जैसे ऐपल उत्पादों पर एजुकेशन डिस्काउंट के साथ मुफ्त एयरपॉड्स, ऐपल पेंसिल प्रो और एयरटैग्स जैसे आकर्षक उपहार मिल रहे हैं। यह सेल 27 अगस्त तक चलेगी। यह उन सभी के लिए एक शानदार अवसर है जो नया ऐपल डिवाइस खरीदने की योजना बना रहे हैं।

इस ऑफर का लाभ केवल कॉलेज के छात्र ही नहीं, बल्कि स्कूल या कॉलेज के शिक्षक, स्टाफ और अपने बच्चों के लिए ऐपल डिवाइस खरीदने वाले माता-पिता भी एजुकेशन स्टोर के माध्यम से उठा सकते हैं। अगर आप नया मैकबुक एयर एम5 खरीदते हैं, जिसकी शुरूआती कीमत रुपए 1,37,900 है, तो आपको मुफ्त एयरपॉड्स 4 या 4 एयरटैग्स का पैक चुनने का विकल्प मिलेगा। ग्राहक थोड़ी अतिरिक्त राशि देकर एयरपॉड्स 4 को सिर्फ रूपए 5,000 में या एयरपॉड्स प्रो 3 को सिर्फ रूपए 13,000 में अपग्रेड भी कर सकते हैं।

गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में वांगचुक से मिले मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह, पूछा हाल

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से मुलाकात की। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद, वांगचुक को शाम को सफदरजंग अस्पताल से छुट्टी देकर आगे के इलाज के लिए गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया गया। सूत्र ने बताया कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने अस्पताल में सोनम वांगचुक से मुलाकात की है। कड़ी सुरक्षा के बीच शाम करीब 7:30 बजे वांगचुक को एम्बुलेंस से मेदांता अस्पताल लाया गया। मेदांता अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें इंटरनल मेडिसिन स्पेशलिस्ट डॉ. सुशीला कटारिया की देखरेख में कक्ष 8 में भर्ती किया गया है।

सफदरजंग अस्पताल ने मंगलवार शाम 6:40 बजे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को डिस्चार्ज कर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल की टीम को सौंप दिया। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद यह कदम उठाया गया। डिस्चार्ज के समय जरूरी मेडिकल पैरामीटर स्थिर थे। हालांकि, पैन्साइटोपेनिया की समस्या बनी हुई है। इसके अलावा उनका सीरम पोटेशियम लेवल 3.4 एमईक्यू/लीटर था। इलाज जारी रखने के लिए सभी जरूरी मेडिकल रिकॉर्ड, जांच रिपोर्ट और इलाज से जुड़े दस्तावेज की कॉपी भी मेडिकल टीम को दी गई। पैन्साइटोपेनिया में तीनों रक्त कोशिकाओं का स्तर सामान्य से कम हो जाता है। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में शिफ्ट करने की अनुमति दे दी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने वकीलों और डॉक्टरों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मेदांता के डॉक्टर उनका इलाज करेंगे और सफदरजंग अस्पताल के सभी मेडिकल रिकॉर्ड तुरंत मेदांता को उपलब्ध कराए जाएंगे। मेदांता के डायरेक्टर की ओर से डॉक्टरों का एक पैनल भी गठित किया जाएगा।

वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मेडिकल रिपोर्ट्स पर गौर किया।

संक्षिप्त खबरें

कैमरे की दुकान में लगी आग

फरीदाबाद, यूटर्न/ 22 जुलाई । सेक्टर-81 स्थित कैमरे की दुकान में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे आग लग गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। दुकान से पहले तेज धुआं निकलता दिखाई दिया, जिसके बाद देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

दुकान से धुआं उठता देख आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस प्रशासन और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग दुकान की पहली मंजिल पर लगी थी। हादसे के दौरान बिल्डिंग से शीशे टूटने की आवाजें भी सुनाई दीं, जिससे आसपास मौजूद लोगों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि राहत की बात रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सभी लोग सुरक्षित हैं। आग बुझने के बाद दुकान में रखे कैमरे और अन्य सामान काफी मात्रा में जल गया। दमकल विभाग और पुलिस की टीम आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

प्लॉट दिलाने के नाम पर 14.65 लाख की ठगी

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 22 जुलाई

नंदग्राम थाना क्षेत्र के गढ़ी गांव में प्लॉट दिलाने के नाम पर युवक से 14.65 लाख की ठगी की घटना सामने आई है। मुकुल निवासी न्यू सभापुर करावलनगर दिल्ली ने प्रभात रावत, उसकी पत्नी भावना चौधरी निवासी गढ़ी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मुकुल ने बताया कि उन्होंने वरदान अस्पताल रोड पर 311 वर्ग गज प्लॉट का सौदा अक्तूबर 2025 को 35.76 लाख रुपये में तय किया था। इसमें 14.65 लाख रुपये पहले दे दिए। इसका अनुबंध भी तैयार हो गया। बैनामे की तारीख 16 जुलाई को तय हुई थी। इसी बीच उनको पता चला कि जिस प्लॉट का उनको सौदा किया गया है, वह पहले की बेचा जा चुका है। आरोपियों ने फर्जी कागजात बनवाकर उनसे रकम की ठगी की है। उन्होंने पुलिस को मामले की शिकायत दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी जियाउद्दीन ने बताया कि शिकायतकर्ता ने खाते में ज्यादा रकम दी गई बताई है।

30 से 50 आयु वर्ग के लोगों में तेजी से बढ़ रहे हैं स्ट्रोक के मामले, इलाज में देरी खतरनाक

» दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव, हाई ब्लड प्रेशर, मधुमेह और धूम्रपान के कारण अब ब्रेन स्ट्रोक केवल बुर्जुगोंकी बीमारी नहीं रह गई है। विशेषज्ञों के अनुसार 30झ50 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में स्ट्रोक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है। लक्षण दिखाई देने के बाद शुरूआती गोल्डन ऑवर (शुरूआती एक घंटे से साढ़े चार घंटे तक) में इलाज मिलने पर मरीज की जान बचाने के साथ स्थायी दिव्यांगता का खतरा भी काफी हद तक कम किया जा सकता है।

विश्व मस्तिष्क दिवस के उपलक्ष्य में प्रेस वार्ता के दौरान मॉडल टाउन स्थित निजी अस्पताल के न्यूरोसर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि इलाज में हर मिनट की देरी के दौरान लगभग 19 लाख मस्तिष्क कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं।

अगर किसी व्यक्ति का चेहरा अचानक टेढ़ा हो जाए, हाथ या पैर में कमजोरी या सुन्नपन महसूस, बोलने में कठिनाई, अचानक तेज सिरदर्द, चक्कर आए, संतुलन बिगड़ जाए या देखने में परेशानी है तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत स्ट्रोक-रेडी अस्पताल पहुंचें। आईसीएमआर के राष्ट्रीय स्ट्रोक रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार हर सात में से एक (13.8%) स्ट्रोक मरीज की आयु 18झ44 वर्ष है। जबकि लगभग 40 फीसदी मरीज लक्षण शुरू होने के 24 घंटे बाद अस्पताल पहुंचते हैं। जिससे उपचार में देरी होती है और मृत्यु एवं स्थायी दिव्यांगता का खतरा बढ़ जाता है।

अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. रजत चोपड़ा ने बताया कि अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग में आने वाले 30 फीसदी से अधिक मरीज ब्रेन स्ट्रोक से संबंधित होते हैं। उन्होंने कहा कि अगर मरीज समय रहते अस्पताल पहुंच जाए तो बेहतर इलाज संभव है।

देश में हर वर्ष 12 से 18 लाख नए स्ट्रोक के मामले सामने आते हैं। लगभग 80 फीसदी मामलों को नियमित स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण, धूम्रपान से दूरी, व्यायाम तथा संतुलित आहार अपनाकर रोका जा सकता है। वहीं अस्पताल में 22 वर्षीय एमडीआर-टीबी से पीड़ित युवती का जटिल ब्रेन ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। जबकि गंभीर ब्रेन हैमरेज और जटिल न्यूरोलॉजिकल मामलों के मरीजों का भी आधुनिक तकनीकों से सफल उपचार किया गया।

पुलिस ने वाहन चोर गिरफ्तार किया चोरी की बाइक बरामद

लोनी, यूटर्न/ 22 जुलाई । पुलिस ने चेकिंग के दौरान लोनी कोतवाली क्षेत्र से वाहन चोर गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से चोरी की गई बाइक बरामद की है। एसीपी लोनी राम किशन ने बताया कि पकड़े गए आरोपी उत्तम उर्फ बाली निवासी प्रशांत विहार रूपनगर है। वह बाइक को बेचने की फिराक में था और कुछ दिन पहले ही चोरी की थी। दिल्ली एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है।

दोस्त से मिलवाने के बहाने युवती से छेड़छाड़, मामला दर्ज

खोड़ा, यूटर्न/ 22 जुलाई । दिल्ली निवासी एक युवती ने खोड़ा थाने में सरताज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। युवक पर झूठ बोलकर ले जाने और छेड़छाड़ का आरोप है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। दर्ज मामले में पीड़िता ने बताया कि वह एक फैक्टरी में काम करती है। 20 जुलाई को वह जब ड्यूटी के बाद घर जाने लगी तो कंपनी से बाहर ही उनको सरताज मिला। आरोपी ने उनकी एक दोस्त से मिलवाने की बात कही और बाइक पर ले जाकर खोड़ा में छेड़छाड़ की। वहां पर कुछ स्थानीय लोगों ने उनको बचाया। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शराब पी रहे भाई को बुलाने गए युवक का पत्थर से फोड़ा सिर, मामला दर्ज

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 22 जुलाई । कनावनी निवासी राहुल गुप्ता पर कुछ लोगों ने ईंट और पत्थर से जानलेवा हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। दर्ज मामले में राहुल गुप्ता ने बताया कि रविवार रात करीब 10:30 बजे तक उनका भाई पन्नी गोदाम पर विकास गुप्ता व अन्य लोगों के साथ बैठकर शराब पी रहा था। वह भाई को बुलाने के लिए गोदाम पर पहुंचे, लेकिन आरोपियों ने उन्हें भाई के पास जाने से रोकना दिया। आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तब विकास गुप्ता और उसके साथियों ने ईंट-पत्थर से उन पर हमला कर दिया। इससे उनका सिर फूट गया और नाक भी कट गई। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज करके आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिल्ली में प्रदर्शन और हिंसा: डिजिटल सुरागों पर पुलिस की पैनी नजर, कथित चैट से कड़ियां जोड़ने में जुटीं टीमें

नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई । कॉकरोच जनता पार्टी के चलो संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा की जांच में दिल्ली पुलिस ने एक नया मोड़ लिया है। पुलिस प्रदर्शनकारियों के कुछ कथित चैट संदेशों और एक सीक्रेट एप के इस्तेमाल की पड़ताल कर रही है। यह जांच उन संदेशों पर केंद्रित है, जिनमें संभावित इंटरनेट बंदी की स्थिति में संपर्क बनाए रखने की तैयारी और आंदोलन के लिए जान देने जैसी बातें कही गई हैं। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले इन कथित चैट संदेशों की प्रामाणिकता और उनमें शामिल व्यक्तियों की पहचान का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सामने आए संदेश वास्तविक हैं और किसी गलत सूचना या दुष्प्रचार का हिस्सा। एक वरिष्ठ पुलिस सूत्र ने बताया कि कुछ कथित संदेशों में इंटरनेट सेवाएं बाधित होने की स्थिति में संपर्क बनाए रखने और प्रदर्शन के दौरान सूचनाओं के आदान-प्रदान के वैकल्पिक तरीकों पर चर्चा की गई है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर सियासत तेज, पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग; 'आप' ने लगाए आरोप

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 22 जुलाई

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी (आप) ने इस पूरे मामले में केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर गंभीर सवाल उठाते हुए दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान युवाओं की बेरहमी से पिटाई हुई और कथित तौर पर सिविल ड्रेस में मौजूद कुछ लोगों ने प्रदर्शनकारियों पर कील लगे डंडों से हमला किया। बुधवार को जारी अपने बयान और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के माध्यम से सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जिन पुलिस अधिकारियों पर मारपीट के आरोप हैं, उनकी पहचान हो चुकी है, लेकिन अब तक उनके खिलाफ न तो कोई एफआईआर दर्ज की गई है और न ही उन्हें निलंबित किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि दोषी अधिकारियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो इससे यह संदेश जाता है कि इस पूरी घटना को सरकार की मौन सहमति प्राप्त है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में ऐसे वीडियो मौजूद हैं, जिनमें कथित तौर पर पुलिस अधिकारियों को अभद्रता करते हुए देखा जा सकता है। उनका दावा है कि संबंधित अधिकारियों के नाम भी सामने आ चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की ओर से अब तक कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

जर्जर इमारत ने बढ़ाईं मुश्किलें, रेलिंग फांदकर लैब तक पहुंच रहे मरीज

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

एमएमजी अस्पताल की जर्जर इमारत अब मरीजों और अस्पताल प्रशासन दोनों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। मंगलवार को सर्जिकल वार्ड के सामने गैलरी की छत से फिर प्लास्टर गिरने के बाद एहतियातन ब्लॉक ए और ब्लॉक बी को जोड़ने वाले रैंप व गैलरी को अलमारी लगाकर बंद कर दिया गया। इससे अस्पताल के भीतर आवाजाही प्रभावित हो गई। सबसे अधिक परेशानी खून की जांच कराने पहुंचे मरीजों को हुई। लैब तक पहुंचने का सीधा रास्ता बंद होने से कई मरीज और उनके तीमारदार रेलिंग और रैंप की दीवार फांदकर लैब तक पहुंचे।

अस्पताल प्रशासन ने मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रभावित हिस्से में आवाजाही रोक दी है। पहले से बंद ब्लॉक ए और बी के मरीजों को डेंगू वार्ड और सर्जिकल वार्ड में शिफ्ट किया गया है। अब बढ़ते दबाव को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था भी शुरू कर दी गई है। नेत्र विभाग में अतिरिक्त बेड लगाए जा रहे हैं और प्रत्येक बेड तक बिजली की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पताल के सभागार को भी अस्थायी वार्ड में बदलने की तैयारी चल रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर वहां मरीजों को भर्ती किया जा सके।

अस्पताल में जांच सेवाओं पर भी असर पड़ने की आशंका है। अल्ट्रासाउंड मशीन को प्राइवेट वार्ड या आरटीपीसीआर लैब में स्थानांतरित करने की कवायद शुरू हो गई है। वहीं, एक्सरे मशीन को भी शिफ्ट करने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन इसके लिए उपयुक्त स्थान नहीं मिल पाने से जल्द ही एक्सरे जांच प्रभावित होने की संभावना बनी हुई है।

वर्ष 1956 में स्थापित एमएमजी अस्पताल जिले का सबसे पुराना और सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है। 166 बेड क्षमता वाले इस अस्पताल में जर्जर भवन के कारण दो वार्ड पहले ही बंद किए जा चुके हैं। इससे अब केवल लगभग 80 बेड पर ही मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। बीते एक महीने से लगातार अलग-अलग हिस्सों में छत और दीवारों से प्लास्टर गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

संजू बाबा की दुल्हन बनने से पहले मान्यता दत्त फिल्मों में आजमा चुकी थीं किस्मत, 'गंगाजल' से मिली पहचान

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि मान्यता खुद भी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं। उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष किया था। हालांकि, उन्हें वह बड़ी सफलता नहीं मिल पाई, जिसकी उन्होंने उम्मीद की थी। मान्यता दत्त का जन्म 22 जुलाई 1978 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका असली नाम दिलनवाज शेख है। उनका बचपन कुछ समय दुबई में बीता। बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और फिल्मी दुनिया की तरफ था। यही सपना उन्हें मुंबई लेकर आया, जहां उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाने की कोशिश शुरू की।

फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद मान्यता ने अपना नाम बदलकर सारा खान रख लिया था। शुरूआती दौर में उन्होंने कुछ फिल्मों में छोटे-मोटे रोल किए। उस समय वह बड़ी फिल्मों में जगह बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रही थीं। उन्हें फिल्मों में काम तो मिला, लेकिन वह पहचान नहीं मिल पाई जो एक अभिनेत्री के तौर पर वह चाहती थीं।

मान्यता को सबसे ज्यादा पहचान साल 2003 में आई प्रकाश झा की फिल्म 'गंगाजल' से मिली। इस फिल्म में उन्होंने 'अलहड़ मस्त जवानी' गाने पर परफॉर्म किया था, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसी फिल्म के दौरान उन्हें स्क्रीन नाम 'मान्यता' मिला। हालांकि, इसके बाद भी उनका फिल्मी सफर ज्यादा आगे नहीं बढ़ सका और उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने के मौके कम मिले। इसके बाद मान्यता ने छोटे बजट की फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने 'लवर्स लाइक अस' नाम की फिल्म में भी अभिनय किया था।

सोहेल खान का चौंकाने वाला खुलासा

अमेजन प्राइम वीडियो पर शुरू हुए रियलिटी शो द अलायंस में सलमान खान के भाई सोहेल खान ने एंट्री ली है, और उनका गेम दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। हाल ही में इस शो में उनकी एक्स-वाइफ सीमा सजदेह ने भी एंट्री की, और तलाक के बावजूद दोनों में दोस्ती का रिश्ता बरकरार है। इसी शो में सोहेल खान ने अपने जीवन का सबसे बड़ा राज साझा किया, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया। उन्होंने सबके सामने बताया कि बचपन में उनके साथ यौन शोषण हुआ था, और उस घटना ने उन्हें अंदर तक तोड़ के रख दिया था। उस समय उन्होंने यह बात किसी को नहीं बताई थी। सोहेल ने बताया कि जब वह काफी छोटे थे, तब उनके साथ यह शोषण हुआ था। बहुत सालों तक उन्होंने यह बात सबसे छुपा कर रखी, और काफी समय बाद जब वह बड़े हुए, तब उन्होंने अपने पिता सलीम खान को पूरी सच्चाई बताई। इसके बाद उनके पिता ने उनसे पूछा कि इतने समय तक उन्होंने यह बात क्यों छुपाई, तो सोहेल ने कहा कि उन्हें ऐसी बातें बताने में शर्म आती थी। हाल ही में आए एक एपिसोड में सोहेल ने यह भी बताया कि वह रैगिंग और बुलिंग के खिलाफ हैं।

रामगोपालवर्माकीतारीफपरगदगद

हुईयामीगौतम

कहा-सफरहीसबसे बड़ाशिक्षकरहा

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं।

यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।' अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरूआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया।

बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी।

रणबीर कपूर की तबीयत बिगड़ी

बॉलीवुड के जाने-माने स्टार रणबीर कपूर अपनी आने वाली फिल्म रामायण को लेकर काफी चर्चा में हैं। जल्द ही उनकी फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होने वाला है, लेकिन इस लॉन्च से पहले एक चिंताजनक खबर सामने आई है। खबरों के मुताबिक, रणबीर कपूर इन दिनों आंखों के संक्रमण से जूझ रहे हैं। उन्हें कंजंक्टिवाइटिस नाम का एक इन्फेक्शन हो गया है, जिसकी वजह से एक्टर को लालपन, सूजन, दर्द और पानी जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान वह इवेंट में काला चश्मा पहने नजर आएंगे, हालांकि सेहत खराब होने के बावजूद भी वह इस इवेंट में जरूर हिस्सा लेंगे। आपको बता दें कि रणबीर कपूर को यह इन्फेक्शन उनकी बेटी राहा से हुआ है। एक जिम्मेदार पिता की तरह रणबीर कपूर अपनी बेटी राहा की देखभाल में पूरी तरह जुटे रहे और इसी दौरान उन्हें भी कंजंक्टिवाइटिस संक्रमण हो गया। यह बीमारी बेहद संक्रामक होती है और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से तेजी से फैलती है। हालांकि, आंखों में संक्रमण होने के बावजूद रणबीर अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट से पीछे हटने वाले नहीं हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में वैभव बना सकते हैं एक रिकार्ड

» हरारे, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां तीन मैचों की सीरीज का पहला टी20 मैच खेलने उतरेगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ शुरूआत करना रहेगा। अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में इंग्लैंड और आयरलैंड में मिली पिछली हार को भुलाकर जीत की राह पर लौटना चाहेगी। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर भी इस सीरीज में प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। वैभव हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इंग्लैंड दौरे पर वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये थे। अब जिम्बाब्वे में उनसे बड़े स्कोर की उम्मीद है। वैभव के पास इस सीरीज में एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम करने का अवसर है। वैभव ने अबतक 37 टी20 क्रिकेट मैचों में 139 छक्के लगाये हैं। ऐसे में उन्हें अपने 150 छक्के पूरी करने के लिए केवल 11 छक्के और चाहिये। इस सीरीज में अगर वह ये उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे तो सबसे तेजी से 150 छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी सबसे तेजी से 150 छक्के का विश्व रिकॉर्ड यूएई के बल्लेबाज मोहम्मद वसीम के नाम दर्ज है, जिन्होंने 66 पारियां खेलते हुए टी20 क्रिकेट में अपने 150 छक्के पूरे किए थे। वहीं वैभव ने अभी तक केवल 37 पारियां खेली हैं। वसीम के बाद वेस्टइंडीज के दो विस्फोटक बल्लेबाजों, एविन लुईस और क्रिस गेल ने भी सबसे कम पारियो में 150 छक्के लगाये हैं। लुईस ने 70 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था, जबकि गेल ने 72 पारियों में यह उपलब्धि अपने नाम की थी। भारतीय बल्लेबाजों में यह रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम दर्ज है, जिन्होंने टी20 में 150 छक्के पूरे करने के लिए 86 पारियां खेली हैं।

भारतीय टीम को कड़ी टक्कर देने तैयार हैं जिम्बाब्वे : रजा

» हरारे, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने भारतीय क्रिकेट टीम को चुनौती देते हुए कहा है कि वे हमें कमजोर समझने की भूल न करें। हमारी टीम टी20 विश्वकप विजेता भारतीय टीम को कड़ी टक्कर देने तैयार है। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार से भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। उससे रजा कुछ ज्यादा ही उत्साहित हैं। उन्होंने कह कि हमारी टीम के पास जीत की तय योजना है। ऐसे में अगर भारतीय टीम ने उन्हें हल्के में लिया तो उसे इसका नुकसान उठाना पड़ेगा। कप्तान रजा ने कह कि आगामी तीन मैचों की टी20 सीरीज में कोई एकतरफा मुकाबला नहीं होगा, बल्कि दोनों टीमों के पास सीरीज जीतने का पूरा मौका होगा। जिम्बाब्वे इस सीरीज को एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देख रहा है, रजा ने कहा, दोनों देशों को इस सीरीज में बराबर मौका मिलेगा। लेकिन एक बात मैं बहुत निश्चित रूप से कह सकता हूं कि जिम्बाब्वे आजकल बहुत बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहा है, इसलिए मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि यह सीरीज बहुत रोमांचक होगी। उन्होंने अपनी टीम के हालिया प्रदर्शन का भी जिक्र किया, जिसमें फरवरी में कोलंबो में आईसीसी टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराकर सनसनी फैलाना शामिल है, जिसने ऑस्ट्रेलिया को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। जिम्बाब्वे ने इस साल श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ भी महत्वपूर्ण जीत हासिल की हैं, जो उनके आत्मविश्वास का मुख्य कारण है। रजा ने भारतीय टीम की बदलाव के दौर से गुजरने वाली स्थिति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, हां, भारत बदलाव के दौर से गुजर रहा है और कुछ हद तक जिम्बाब्वे में भी थोड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

बातचीत को लेकर गंभीर नहीं है ईरान-अमेरिका

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 22 जुलाई

अमेरिका ने ईरान पर बातचीत को लेकर गंभीर न होने का आरोप लगाया है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में चल रही आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक में श्री रुबियो ने कहा, 'इस वक्त हमारी समस्या यह है कि वे बातचीत को लेकर गंभीर नहीं हैं। अगर वे गंभीर हैं, तो हम भी गंभीर हैं। अगर वे गंभीर नहीं हैं, तो हम अपने और अपने सहयोगियों के हितों की रक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करेंगे।' कतर, मिस्र, पाकिस्तान और अन्य क्षेत्रीय मध्यस्थों ने अमेरिका और ईरान के समक्ष 10 दिनों के युद्धविराम का प्रस्ताव रखा है। एक्सियोस की सोमवार रात की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है और उसने इजरायल से ऐसे कदम उठाने से बचने का आग्रह किया है, जो कूटनीति के रास्ते बंद कर सकते हैं। इसके साथ ही बातचीत के विफल होने की आशंका के मद्देनजर अमेरिका तैयारियां भी कर रहा है।

पौलैंड ने हूती को सऊदी अरब के जहाजों पर समुद्री नाकाबंदी करने पर गंभीर चेतावनी दी

वारसॉ, यूटर्न/ 22 जुलाई । पोलैंड के विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की ने यमन के हूती संगठन को चेतावनी दी है कि अगर वे सऊदी अरब के जहाजों पर समुद्री नाकेबंदी लागू करते हैं तो उन्हें 'गंभीर नतीजों' का सामना करना पड़ेगा। हूती सैन्य प्रवक्ता ने सोमवार को घोषणा की कि संगठन ने अपने हवाई अड्डों और बंदरगाहों की नाकेबंदी के जवाब में सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी लागू की है। श्री सिकोरस्की ने मंगलवार को टीवीएन से कहा, 'अगर मैं हूती होता, तो ऐसा नहीं करता, क्योंकि उन्हें बहुत गंभीर नतीजों का सामना करना पड़ेगा।' उन्होंने आगे कहा, 'हम ईरान से फंड पाने वाले कुछ गुरिल्लाओं के बंधक नहीं बन सकते।' सऊदी अरब वर्तमान में पोलैंड को कच्चा तेल सप्लाई करने वाला सबसे बड़ा देश है। 2025 में, पोलैंड ने लगभग 25.4 मिलियन टन तेल का आयात किया, जिसमें से 12झ13.5 मिलियन टन सऊदी अरब से आया था।

25 जिलों में 7.27 लाख से अधिक लोग प्रभावित मुख्यमंत्री सरमा ने राहत शिविरों का किया दौरा

» गुवाहाटी, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को बताया कि इस वर्ष 29 अप्रैल से 21 जुलाई के बीच राज्य के 25 जिलों में आई बाढ़ से 7,27,506 लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राहत, पुनर्वास और प्रभावित लोगों की आजीविका बहाल करने के लिए लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बाढ़ की ताजा स्थिति साझा करते हुए लिखा, 'असम बाढ़ से हुई व्यापक तबाही का यह वास्तविक स्वरूप है। मैंने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया है कि वे इस संकट में अकेले नहीं हैं। हमारी सरकार राहत, पुनर्वास और आजीविका के पुनर्निर्माण के हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।'

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, बाढ़ से गोलपाड़ा, कछार, लखीमपुर, धेमाजी, डिब्रूगढ़, जोरहाट, बिश्वनाथ, चराइदेव, नलबाड़ी, बजाली, चिरांग, कोकराझार, बोंगाईगांव, बक्सा, शिवसागर, दरांग, सोनितपुर, तिनसुकिया, उदलगुरी, गोलाघाट, नगांव, कार्बी आंगलोंग, कामरूप, कामरूप महानगर और होजाई सहित 25 जिले प्रभावित हुए हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, बाढ़ का असर 74 राजस्व सर्किलों और 1,700 गांवों पर पड़ा है। राज्य में फिलहाल 95 राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं, जहां 18,574 विस्थापित लोग रह रहे हैं। इसके अलावा प्रभावित परिवारों तक खाद्य सामग्री, पेयजल और अन्य जरूरी राहत सामग्री पहुंचाने के लिए 469 राहत वितरण केंद्र बनाए गए हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष बाढ़ के कारण अब तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सबसे अधिक 14 मौतें शिवसागर जिले में हुईं। इसके अलावा चराइदेव में छह, जोरहाट में पांच, धेमाजी और गोलाघाट में दो-दो तथा सोनितपुर और कार्बी आंगलोंग में एक-एक व्यक्ति की जान गई। वहीं, 19 अप्रैल को कामरूप महानगर जिले में शहरी बाढ़ की एक घटना में भी एक व्यक्ति की मौत हुई थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि फिलहाल तीन लोग लापता हैं, जिनमें धेमाजी, चराइदेव और कार्बी आंगलोंग से एक-एक व्यक्ति शामिल है।

तिमोर-लेस्ते ने भारत को एलएनजी क्षेत्र में निवेश के लिए दिया न्योता

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 22 जुलाई

दक्षिण-पूर्व एशियाई देश तिमोर-लेस्ते ने भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी), तेल रिफाइनिंग और शिक्षा क्षेत्र में भारतीय निवेश को आमंत्रित किया है। यह जानकारी देश के पूर्व विदेश मंत्री और उप प्रधानमंत्री ने दी।

अमेरिका में तिमोर-लेस्ते के राजदूत जोस लुइस गुटेरेस ने आईएएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में कहा कि ऊर्जा क्षेत्र भारतीय कंपनियों के लिए बड़े अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि तिमोर-लेस्ते के पास तेल और प्राकृतिक गैस के पर्याप्त संसाधन हैं और देश को एलएनजी संयंत्र, रिफाइनरियों और ग्रेटर सनराइज गैस क्षेत्र से जुड़ी पाइपलाइन के विकास के लिए निवेश की आवश्यकता है।

अफगानिस्तान में बाढ़: 20 की मौत, 100 से अधिक लापता

काबुल, यूटर्न/ 22 जुलाई । पूर्वी अफगानिस्तान में अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। प्राकृतिक आपदा के कारण कम से कम 20 लोगों की जान चली गई है, जबकि 80 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके अलावा 100 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, इस त्रासदी का सबसे भीषण प्रभाव पूर्वी प्रांत नूरिस्तान और पारून के आसपास के क्षेत्रों में देखने को मिला है, जहां सैकड़ों मकान और उपजाऊ कृषि भूमि पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं।

राहत और बचाव एजेंसियां प्रभावित इलाकों में लापता लोगों की तलाश और पीड़ितों की सहायता के लिए युद्धस्तर पर अभियान चला रही हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में बाढ़ के प्रचंड बहाव में ताश के पत्तों की तरह ढहते कच्चे घर और असहाय लोग साफ देखे जा सकते हैं। इस प्राकृतिक प्रकोप के बीच मौसम विभाग ने देश के 34 में से 10 प्रांतों में भारी बारिश, तेज आंधी और फ्लैश फ्लड की नई चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने नदियां और जोखिम वाले संवेदनशील इलाकों के पास रहने वाले निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सख्त हिदायत दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस भीषण आपदा के पीछे केवल मूसलाधार बारिश ही जिम्मेदार नहीं है। दशकों से जारी युद्ध और संघर्ष के कारण जर्जर हो चुका इंफ्रास्ट्रक्चर, कमजोर अर्थव्यवस्था, बड़े पैमाने पर जंगलों की कटाई और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और अधिक विकराल बना दिया है। अफगानिस्तान के ग्रामीण इलाकों में अधिकांश मकान मिट्टी के बने हैं, जो अचानक आने वाले पानी के तेज बहाव और भूस्खलन के सामने टिक नहीं पाते।

बिहार के कनिष्क नारायण बने ब्रिटेन में मंत्री, लिसा नंदी की कुर्सी बरकरार

» लंदन, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

ब्रिटेन में राजनीतिक परिवर्तन के बाद नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने औपचारिक रूप से देश की कमान संभाल ली है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट से नए राजनीतिक मॉडल की प्रतिबद्धता जताते हुए प्रधानमंत्री बर्नहैम ने अपने मंत्रिमंडल का पुनर्गठन किया है। इस नए मंत्रिमंडल में भारतीय मूल के दो प्रमुख नेताओं को अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जो ब्रिटेन की राजनीति में भारतीय समुदाय के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में जन्मे कनिष्क नारायण को बर्नहैम सरकार में कैबिनेट स्तर का दर्जा देते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मंत्री नियुक्त किया गया है। मुजफ्फरपुर से 12 वर्ष की आयु में यूके चले गए कनिष्क ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से स्नातक और अमेरिका की प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से एमबीए की शिक्षा प्राप्त की। सिलिकॉन वैली और टेक सेक्टर में वर्षों के अनुभव के बाद, उन्होंने 2024 के चुनावों में लेबर पार्टी के टिकट पर वेल ऑफ ग्लैमरगन सीट से जीत दर्ज की थी। इससे पहले वे सरकार में जूनियर मंत्री के रूप में कार्यरत थे।

दूसरी ओर, भारतीय मूल की वरिष्ठ सांसद लिसा नंदी को बर्नहैम कैबिनेट में संस्कृति सचिव के पद पर बरकरार रखा गया है। मैनचेस्टर में जन्मी लिसा नंदी का भारत के कोलकाता शहर से गहरा पारिवारिक संबंध है। राजनीति में आने से पूर्व सामाजिक क्षेत्रों में नीतियों पर कार्य कर चुकीं लिसा 2010 में पहली बार विगन सीट से सांसद चुनी गई थीं। वे उस क्षेत्र से सांसद बनने वाली पहली महिला और पहली एशियाई नेता बनीं। ब्रिटेन की इस नई कैबिनेट में भारतीय मूल के इन दोनों कद्दावर नेताओं की मौजूदगी न केवल उनके राजनीतिक कद को बढ़ाती है.

कनाडा ने पाकिस्तान को करोड़ों डॉलर की मदद का किया ऐलान

भारत से रिश्ते सुधारने की कोशिशों के बीच बड़ा कदम

» टोरंटो, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद की पाकिस्तान यात्रा के समापन से ठीक पहले कनाडा ने इस्लामाबाद को 47 मिलियन डॉलर (करीब 4.7 करोड़ डॉलर) से अधिक की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। यह धनराशि पाकिस्तान में विकास कार्यों और सुरक्षा पहलों पर खर्च की जाएगी। कनाडा का यह कदम ऐसे समय में आया है जब वह भारत के साथ अपने कूटनीतिक और व्यापारिक संबंधों को फिर से पटरी पर लाने का निरंतर प्रयास कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, इस पैकेज में से 2.2 मिलियन डॉलर से अधिक की नई फंडिंग सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए दी गई है, जिसमें इंटरपोल, यूएन ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के संयुक्त प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसके अलावा, कनाडा से जुड़े तीन विकास आधारित प्रोजेक्ट्स के लिए 45 मिलियन डॉलर की राशि मंजूर की गई है। इस यात्रा के दौरान पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाते हुए भारत के खिलाफ कनाडा से कूटनीतिक समर्थन की मांग भी की। भारत और कनाडा के रिश्तों में पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान काफी कड़वाहट आ गई थी, जब सरे में हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर अनर्गल आरोप लगाए गए थे। हालांकि, हाल ही में कनाडाई पुलिस प्रशासन (आरसीएमपी) ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया कि इस मामले की जांच और दर्ज आरोपों में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जो भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता की ओर इशारा करता हो, और भारत ने जांच में पूरा सहयोग दिया है।

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी का यू-टर्न, बोले-नेतन्याहू को गिरफ्तार करने का अधिकार नहीं

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 22 जुलाई ।

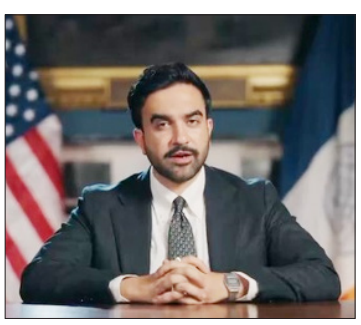

न्यूयॉर्क के मेयर जोरान ममदानी ने कहा कि सिटी इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के वारंट के तहत इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ़्तार नहीं कर सकता। कानूनी समीक्षा में यह निष्कर्ष निकलने के बाद कि उनके प्रशासन के पास कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है, उन्होंने अपने चुनावी वादे से पीछे हटते हुए यह बात कही। हालांकि, ममदानी ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' कहा और ट्रम्प प्रशासन से आग्रह किया कि वे सितंबर में यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली के लिए न्यूयॉर्क आने पर उन्हें गिरफ्तार करें। ममदानी ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'मेरे प्रशासन ने लागू कानून के तहत उपलब्ध हर रास्ते की समीक्षा की है ताकि यह पता लगाया जा सके कि अगर बेंजामिन नेतन्याहू यहां आते हैं तो क्या न्यूयॉर्क शहर इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के गिरफ़्तारी वारंट को लागू कर सकता है।' उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट है कि हमारे पास इस वारंट को लागू करने का स्वतंत्र कानूनी अधिकार नहीं है।' ममदानी ने कहा कि संघीय सरकार के पास ऐसा अधिकार है और उन्होंने वॉशिंगटन से इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में शामिल होने और उसके वारंट को लागू करने का आ'न किया। अमेरिका इस कोर्ट का सदस्य नहीं है। मेयर की यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यह कहे जाने के एक दिन बाद आई कि नेतन्याहू को उनकी अमेरिकी यात्रा के दौरान हिरासत में नहीं लिया जाएगा। ट्रम्प ने सोमवार को ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने के दौरान बेंजामिन नेतन्याहू को किसी भी तरह से गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।' अपने मेयर पद के चुनाव अभियान के दौरान, ममदानी ने बार-बार कहा था कि जब इजराइली नेता न्यूयॉर्क आएंगे तो वे नेतन्याहू की गिरफ्तारी का आदेश देंगे।

उन्होंने हाल ही में 'द न्यूयॉर्क टाइम्स मैगजीन' को बताया था कि उनका प्रशासन वारंट को लागू करने के बारे में शहर के कानून विभाग के साथ सक्रिय बातचीत कर रहा था।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *